3.3.4 Number of books/ Monographs edited in 3.3.4 Numl 3.3.4 Numl 3.3.4 Number of books/ Monographs edited in Sanskrit and Other Languages pertaining to Bharatiya Vidya, basic and applied work in related areas (excluding awarde विगतेषु पञ्चसु वर्षेषु प्रत्येकम् अध्यापकेन संस्कृतभ विगतेषु पञ्च विगतेषु पञ्च विगतेषु पञ्चसु वर्षेषु प्रत्येकम् अध्यापकेन संस्कृतभाषया इतरभाषया वा भारतीयविद्यायां सम्बद्धक्षेत्रेषु मूलभूतानाम् अनुप्रयुक्तानां वा सम्पादितानां ग्रन्थानां/ लघुप्रबन्धानां सङ्ख

3.3.4.1: Number of books/ Monographs edited 3.3.4.1: Nu 3.3.4.1: Nu 3.3.4.1: Number of books/ Monographs edited in Sanskrit and Other Languages pertaining to Bharatiya Vidya, basic and applied work in related areas (excluding awar विगतेषु पञ्चसु वर्षेषु संस्कृतभाषया इतरभाषया व विगतेषु पञ्च विगतेषु पञ्च विगतेषु पञ्चसु वर्षेषु संस्कृतभाषया इतरभाषया वा भारतीयविद्यायां सम्बद्धक्षेत्रेषु मूलभूतानाम् अनुप्रयुक्तानां वा सम्पादितानां ग्रन्थानां/ लघुप्रबन्धानां वार्षिकी सङ्ख्या। (पुरस्कृ

SL. NO.	NAME OF THE TEACHER	TITLE OF THE ORIGINAL CREATIVE WRITINGS (BOOKS)	TITLE OF	TITLE OF THE PROCEEDINGS OF THE CONFERENCE	NAME OF THE CONFERENCE	NATIONAL/ INTERNATIONAL	YEAR OF PUBLICATION	ISBN	AFFILIATING INSTITUTE AT THE TIME OF PUBLICATION	NAME OF THE PUBLISHER
	SHAILESH JAIN	AACHARYA KUNDKUND VANMAY MEN SAIDHANTIK VIMARSHA	NA	NA	NA	NATIONAL	3/17/2020	978-81-945061-4-0	SHRI DIGAMBAR JAIN AACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA	SHRI AKHIL BHARAT VARSHEEY DIGAMBAR JAIN VIDWAT PARISHAD
	SHAILESH JAIN	AACHARYA AMRITCHANDRA EVAM AACHARYA JAYSEN KRIT SANSKRIT TEEKAON KA DARSHANPARAK TULNATMAK ADHYAYAN	NA	NA	NA	NATIONAL	3/17/2020	978-81-950890-7-9	SHRI DIGAMBAR JAIN AACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA	SHRI AKHIL BHARAT VARSHEEY DIGAMBAR JAIN VIDWAT PARISHAD
	SHEETAL CHANDRA JAIN	PRAKRIT-SANSKRIT VANGMAY MEN JAIN SANSKRITI KE VIVIDH AAYAS	NA	NA	NA	NATIONAL	Jul-21	978-81-950989-9-6	SHRI DIGAMBAR JAIN AACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA	SANSKRIT-PRAKRIT-APBHRINSH UCCHSTREEY ADHYAYAN EVAM ANUSANDHAN KENDRA SHRI DIGMBAR JAIN AACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA,SANGANER,JAIPUR

प्राचार्य
श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड, साँगानेर, जयपुर-29 (राज.)

प्राकृत-संस्कृत वाङ्मय में जैन संस्कृति के विविध आयाम

प्राचार्य डॉ. शीतलचन्द जैन

प्राकृत-संस्कृत वाङ्मय में जैन संस्कृति के विविध आयाम

लेखक

प्राचार्य डॉ. शीतलचन्द जैन

प्रकाशक

संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

सांगानेर, जयपुर

ISBN : **978-81-950989-9-6**

कृति : **प्राकृत-संस्कृत वाङ्मय में जैन संस्कृति के विविध आयाम**

शुभाशीर्वाद : परमपूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के
प्रियाग्रशिष्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

लेखक : प्राचार्य डॉ. शीतलचन्द जैन

प्रतियाँ : 300

संस्करण : प्रथम, वीर शासन जयन्ती, जुलाई 2021

सहयोग राशि : 200/-

पुण्यार्जक : चि. शरद-दीप्ति जैन, चि. शैलेन्द्र-वीथिका जैन

ग्राफिक्स : अभिषेक जैन 'शास्त्री', सागर-9098900941

प्रकाशक : संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधा
केन्द्र श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
सांगानेर, जयपुर

प्राप्ति स्थल : **1.** श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर
2. 81/94 नीलगिरी मार्ग, मानसरोवर, जयपुर (राज.)30202
मो. - 9414783707

मुद्रक : द प्रिंट पैलेस, जयपुर

प्राकृत भाषा के उन्नयन में जैनाचार्यों का योगदान

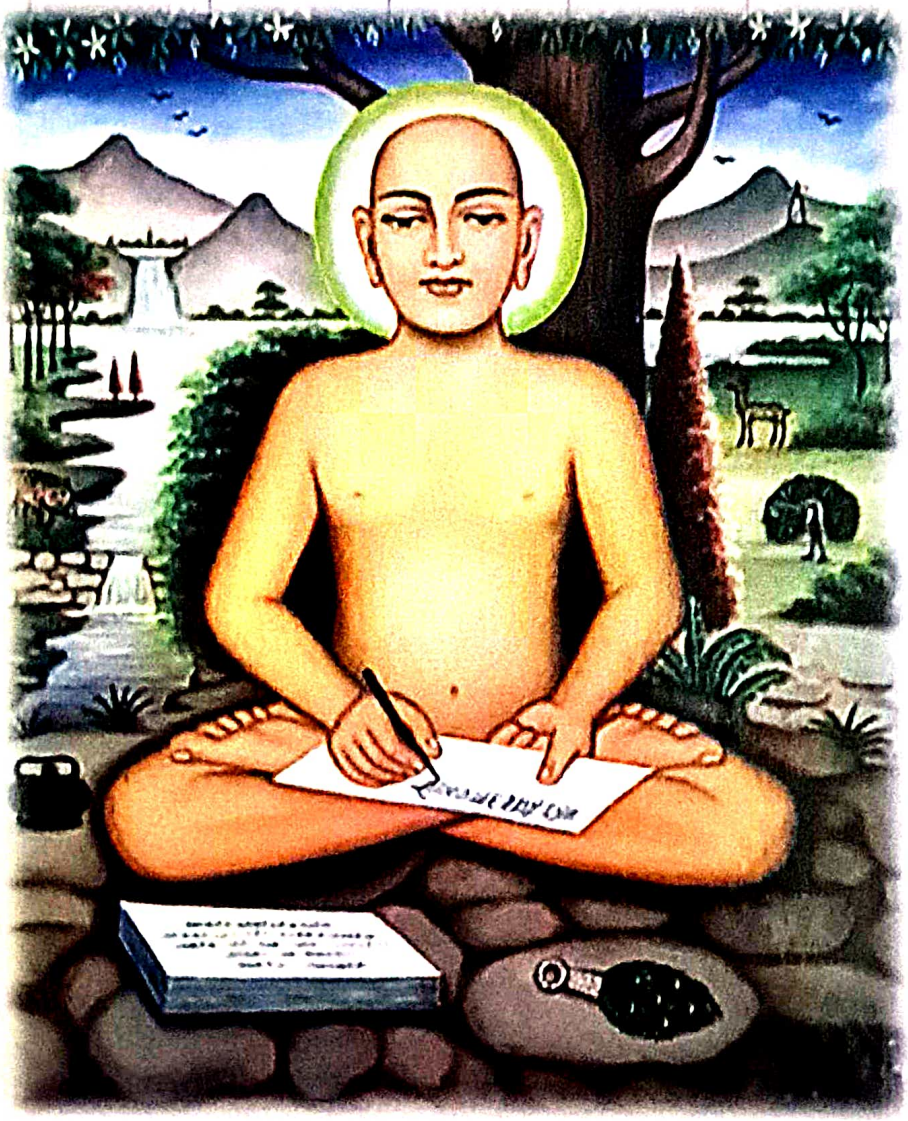

प्राचार्य डॉ. शीतलचन्द जैन

प्राकृत भाषा के उन्नयन में जैनाचार्यों का योगदान

लेखक

प्राचार्य डॉ. शीतलचन्द जैन

प्रकाशक

संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

सांगानेर, जयपुर

ISBN : 978-81-950989-6-5

कृति : प्राकृत भाषा के उन्नयन में जैनाचार्यों का योगदान

शुभाशीर्वाद : परमपूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रियाग्रशिष्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

लेखक : प्राचार्य डॉ. शीतलचन्द जैन

प्रतियाँ : 300

संस्करण : प्रथम, वीर शासन जयन्ती, जुलाई 2021

सहयोग राशि : 200/-

पुण्यार्जक : चि. शरद-दीप्ति जैन, चि. शैलेन्द्र-वीथिका जैन

ग्राफिक्स : अभिषेक जैन 'शास्त्री', सागर-9098900941

प्रकाशक : संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय सांगानेर, जयपुर

प्राप्ति स्थल : 1. श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर
2. 81/94 नीलगिरी मार्ग, मानसरोवर, जयपुर (राज.)302020
मो. - 9414783707

मुद्रक : द प्रिंट पैलेस, जयपुर

आचार्यविद्यानन्दस्य दार्शनिकसिद्धान्तानां समालोचनात्मकमध्ययनम्

लेखकः

डॉ. शीतलचन्द्र जैनः

प्राचार्यः, श्रीदिगम्बरजैनआचार्यसंस्कृतमहाविद्यालयः, जयपुरम्

संकायाध्यक्षः, श्रमण-विद्या-संकायः

ज.रा.रा. संस्कृतविश्वविद्यालयः जयपुरम्

प्रकाशक : वीरसेवामंदिरट्रस्ट, सरसावा

आचार्यविद्यानन्दस्य दार्शनिकसिद्धान्तानां समालोचनात्मकमध्ययनम्

लेखक :

डॉ. शीतलचन्द जैन

प्राचार्य, श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

प्रकाशक :

वीर सेवा मन्दिर ट्रस्ट प्रकाशन

ट्रस्ट संस्थापक -
आचार्य पण्डित जुगलकिशोर मुख्तार 'युगवीर'

प्रकाशक एवं प्राप्ति स्थान -
वीर सेवा मन्दिर ट्रस्ट
81/94 नीलगिरि मार्ग, मानसरोवर,
जयपुर।

प्रथम संस्करण - 2008

मूल्य - 200/-